

### प्रसाधारण

# EXTRAORDINARY

भाग II --- ज्ञान 3--- जपलम्ब (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं**० 162]

नई विल्ली, मंगलवार, सितम्बर 7, 1971/भाव 16, 1893

No. 162] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 7, 1971/BHADRA 16, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में श्वा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

### ORDER

New Delhi, the 7th September 1971

G.S.R. 1266.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential a Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to smend the Sugar (Control) Order, 1966, namely:—...

1. This Order may be called the Sugar (Control) Amendment Order, 1971.

- 2. In the Sugar (Control) Order, 1966, clause 12 shall be re-numbered as subclause (1) thereof, and after the sub-clause as so re-numbered, the following sub-clauses shall be substituted, namely:—
  - "(2) Out of the two sealed portions of the sugar sample received in the Directorate of Sugar and Vanaspati under sub-clause (1), one sealed portion shall be examined by the Grading Committee to determine its quality with reference to the Indian Sugar Standard grades in force for the year in which the sugar was manufactured. If the grade of the said portion of the sugar sample is found by the Grading Committee to be lower than the grade declared by the producer or recognised dealer, as the case may be, the Directorate of Sugar and Vanaspati shall forward the other sealed portion of the sugar sample, as received, to the National Sugar Institute, Kanpur for determining its grade and the grade determined by the said Institute shall not be called in question.
  - (3) For the purposes of sub-clause (2), "Grading Committee" means the Committee consisting of three Class I officers of the Directorate of Sugar and Vanaspati, appointed by the Chief Director, to grade samples of sugar."

[No. 1-31/70-S.Py.] S. V. SAMPATH, Jt. Secy.

कृषि मंत्रालय (खाद्यविभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1971

सा० का० नि० 1266 -- प्रावश्यक वस्तु प्रधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा ध्यदत प्रक्तियों का प्रयोग करते ए, केन्द्रीय सरकार शर्करा (नियंत्रण) ग्रादेश, 1966 में ग्रीर रसंशोधन करते के लिए एत ्वारा निम्नलिखित ग्रादेशकरती है, श्रथत्:--

1-इस म्रादेशकानाम शर्करा (नियंत्रण) संगोधन म्रादेश, 1971 होगा ।

- 2--- शर्करा (नियंत्रण ) भ्रावेशा, 1966 में, खण्ड 12, उसके उप-खण्ड (1) के रुप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा, श्रीः इस प्रकार पुनः संख्यांकित उप-खण्ड के पश्चा निम्नालिकित उपअण्ड प्रतिस्थापित किए जाएंगे, प्रथीत्:---
  - "(2) उपखण्ड (1) के प्रधीन मर्करा श्रीर वनस्पति निदेशालय में प्राप्त हुए मर्करा के नमूने केदो मुद्रांकित भागों में से, एक मुद्रांकित भागकी, उस वर्ष के लिए; सि में शर्करा बनाई गई थी, प्रवृतभारतीय शर्करा मानक श्रीणयों के प्रति निदेश उस की कीटिका अवधारण करने के लिए श्रीणीकरण समिति द्वारा परीक्षा

की जाएगी। यदि श्रेगीकरण समिति द्वारा शर्करा नमूने के उक्त भाग की श्रेगी, यथास्थिति, उत्पादक या मान्यनाप्राप्त व्यवहारी द्वारा घोषित श्रेणी, से निम्नतर पाई गई है तो शर्करा ग्रीर वनस्पति निदेशालय इस प्रकार 'च गर्करा नमूने के दूसरे मुद्रांकित भाग को उसकी श्रेणी का ग्रवधारण करने के लिए राष्ट्रीय गर्करा संस्थान, कानपुर के पास भेज देगा, ग्रीर उक्त संस्थान द्वारा ग्रवधारित श्रेणी प्रश्नगत नहीं होगी।

(3) उनखाड 2 तेप्र रोजन के लिए, "श्रेगीकरण समिति" से ऐसी समिति श्रिभिप्रेत हैं जो शर्करा नम्तों का श्रेगीकरण करने के लिए शर्करा श्रीर अनस्पति निदेशालय के मुख्य निदेशक रारा नियुक्त किए गए तीन वर्ष 1—श्रिधकारियों से मिलकर बनेगी।"

[सं॰ 1-31/70-एस॰पी॰वाई॰]

एस० वी० सम्पथ,

संयुक्त सचिव ।